केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज ईटानगर में अरुणाचल प्रदेश पुलिस को राष्ट्रपति निशान (President's Colour) प्रदान किया

राष्ट्रपति निशान से सम्मानित किया जाना न सिर्फ अरुणाचल प्रदेश पुलिस बल्कि राज्य की जनता के लिए भी बहुत गर्व का विषय

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अरुणाचल प्रदेश सहित पूरे अरुणाचल प्रदेश में विकास की नई शुरुआत हुई

राष्ट्रपति निशान प्राप्त करने वाला अरुणाचल प्रदेश पुलिस 17वाँ पुलिस बल

आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर उग्रवाद, संगठित अपराध, ड्रग्स तस्करी और बढ़ते साइबर अपराध को रोकने की दिशा में अरुणाचल पुलिस बहुत अच्छा काम कर रही

हम Death Triangle के मुहाने पर बसे अरुणाचल प्रदेश सहित पूरे देश को नशा मुक्त बनाएंगे

अरुणाचल भारत का प्रहरी बन सुनिश्चित करे कि यहाँ से एक ग्राम भी ड्रग भारत के किसी हिस्से में नहीं जा पाए

सियांग अपर मल्टीपर्पस प्रोजेक्ट (SUMP) एक राष्ट्रीय परियोजना, यह अरुणाचल के विकास, देश की ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक हितों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण

इस परियोजना के मुद्दे पर सरकार क्षेत्र की जनता के साथ सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा कर रही है, संवाद के माध्यम से ही आगे का रास्ता निकाला जाएगा

अरुणाचल की परंपराओं, संस्कृति व धर्म को जरा भी नुकसान पहुँचाए बिना, बहुत ही आकर्षक पुनर्वास पैकेज देते हुए सरकार आगे का रास्ता निकालेगी

जब देश के विकास का इतिहास लिखा जाएगा, तब 2014 के बाद के कालखंड को अरुणाचल प्रदेश के विकास के लिए स्वर्णिम काल के रूप में दर्ज किया जाएगा

मोदी सरकार ने अरुणाचल प्रदेश में जगह-जगह एयरपोर्ट व रेलवे की सुविधा पहुँचकर न केवल नॉर्थ ईस्ट से दिल्ली की भौगोलिक दूरी, बल्कि दिल की दूरी भी कम की है

2004 से 2014 की तुलना में अरुणाचल प्रदेश के विकास पर हुए खर्च में मोदी सरकार ने चार गुना से अधिक की बढ़ोतरी

कश्मीर घाटी में अब एक भी भारत में जन्मा आतंकवादी नहीं है, यह पड़ाव सुरक्षा बलों व एजेंसियों ने निरंतर शौर्य, समर्पण और बलिदान के आधार पर प्राप्त किया

90 के दशक में आतंकवाद चरम पर था, यह माना जाता था कि कश्मीर को हम कितने दिन संभाल पाएँगे, मुख्यमंत्री इंग्लैंड चले गए; उस समय हमारे सुरक्षा बलों ने अपनी वीरता से कश्मीर को जोड़कर रखा

धारा 370 और आतंकवाद का क्या लेन-देन कहने वालों को बताना चाहता हूँ कि इसके समाप्त होने के बाद कश्मीर के युवाओं में अलगाववाद की भावना समाप्त हुई है और आज कश्मीर घाटी में एक भी कश्मीरी युवा आतंकवादी नहीं है

प्रविष्टि तिथि: 21 NOV 2026 4:38PM by PIB Delhi

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में अरुणाचल प्रदेश पुलिस को राष्ट्रपति निशान (President's Colour) प्रदान किया। इस अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू, केन्द्रीय मंत्री श्री किरेन रिजिजू, केन्द्रीय गृह सचिव श्री गोविंद मोहन, आसूचना ब्यूरो (IB) के निदेशक डॉ महेश दीक्षित, राज्य के मुख्य सचिव श्री मनीष गुप्ता एवं पुलिस महानिदेशक श्री राजेश कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।



राष्ट्रपति निशान अलंकरण समारोह को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रपति निशान से सम्मानित किया जाना न सिर्फ अरुणाचल प्रदेश पुलिस बल्कि राज्य की जनता के लिए भी बहुत गर्व का विषय है। किसी भी राज्य के जीवन में ऐसा क्षण एक ही बार आता है। उन्होंने कहा कि उगते सूर्य का प्रदेश अरुणाचल प्रदेश अत्यंत सामरिक महत्व वाली जगह पर स्थित है। यहाँ की सुरक्षा, शांति, खुशहाली और विकास पूरे देश के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति निशान साहस, अनुशासन और पेशेवर दक्षता का प्रमाण है। यह सम्मान तब प्रदान किया जाता है जब कोई पुलिस बल 15 वर्षों से अधिक समय तक वीरता, समर्पण और बलिदान के साथ कार्य करता है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में यह सम्मान प्राप्त करने वाला अरुणाचल प्रदेश पुलिस 17वाँ पुलिस बल बना है, जो हम सबके लिए गर्व की बात है।

गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि एक समय था जब अरुणाचल प्रदेश में अपनी कोई पुलिस नहीं थी और असम राइफल्स यहाँ की सुरक्षा का काम संभालती थी। उन्होंने कहा कि 1971 में जब यह क्षेत्र नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी (नेफा) के नाम से जाना जाता था, तब वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एल.बी. सेवा के नेतृत्व में अरुणाचल प्रदेश पुलिस की

शुरुआत हुई। उन्होंने एल.बी. सेवा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि 1974 में मिजोरम में हथियारबंद आतंकवादियों से लड़ते हुए वह वीरगति को प्राप्त हुए। श्री शाह ने कहा कि आज सेवा जी जहाँ भी होंगे, उन्हें यह देखकर बहुत संतुष्टि होगी कि उनके द्वारा बोया गया बीज आज अरुणाचल पुलिस के रूप में एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है और 16 हजार से अधिक के संख्याबल के साथ यह पुलिस बल राष्ट्रपति निशान प्राप्त से सम्मानित हो चुका है। उन्होंने कहा कि चार रेंज और 29 पुलिस जिलों में फैली अरुणाचल प्रदेश पुलिस देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें अरुणाचल सशस्त्र पुलिस की दो बटालियन और पाँच इंडियन रिजर्व बटालियन भी शामिल हैं।



केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश बहुत शांत जगह है। यहाँ खेती, अपना कारोबार, पढ़ाई-लिखाई करने वाली और धर्ममय जीवन जीने वाली जनता बसती है। लेकिन यह देश के अरुणाचल प्रदेश में सबसे लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित है। उन्होंने कहा कि 1863 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा, जिसमें 1226 किलोमीटर चीन, 520 किलोमीटर म्यांमार और 217 किलोमीटर भूटान के साथ, के कारण अरुणाचल की सुरक्षा और शांति न केवल इस प्रदेश के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल एक प्रकार से Death Triangle के मुहाने पर स्थित है। पूरे देश में Death Triangle से नारकोटिक्स यानि नशे के सामान की तस्करी होती है। उन्होंने कहा कि ड्रग्स के कारोबार की रोकथाम के नजरिए से अरुणाचल बहुत महत्वपूर्ण प्रदेश है। उन्होंने कहा कि आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर उग्रवाद, संगठित अपराध, ड्रग्स तस्करी और बढ़ते साइबर अपराध को रोकने की दिशा में अरुणाचल पुलिस बहुत अच्छा काम कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति निशान से सम्मानित होने के बाद अरुणाचल प्रदेश पुलिस अधिक उत्साह और समर्पण के साथ अपनी इन जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगी।



श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अरुणाचल प्रदेश सहित पूरे अरुणाचल प्रदेश क्षेत्र में विकास की नई शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि जब विपक्षी पार्टी के नेता हमसे संसद में सवाल करते हैं कि मोदी सरकार ने अरुणाचल प्रदेश के लिए क्या किया, तब बहुत हँसी आती है। उन्होंने कहा कि जब भी देश के विकास का इतिहास लिखा जाएगा, तब 2014 के बाद के कालखंड को अरुणाचल प्रदेश के विकास के लिए स्वर्णिम काल के रूप में दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने अरुणाचल प्रदेश में जगह-जगह एयरपोर्ट और रेलवे की सुविधा उपलब्ध करवाकर न केवल नॉर्थ ईस्ट से नई दिल्ली की भौगोलिक दूरी, बल्कि दिल की दूरी को भी कम करने की कोशिश की है। श्री शाह ने कहा कि जिस अरुणाचल प्रदेश क्षेत्र में उत्तर प्रदेश से भी अधिक भूभाग हो, जिसे अनेक देशों की सीमाएँ छूती हों, उसका विकास पूरे देश की जिम्मेदारी है और यह हमारी सरकार की दृढ़ मान्यता है।



गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि 2004 से 2014 के दस वर्षों में विपक्षी पार्टी की सरकार ने अरुणाचल प्रदेश पर 33,530 करोड़ रुपये का खर्च किया था, जबकि 2014 से 2026 तक मोदी सरकार ने 1,49,646 करोड़ रुपये के विकास कार्य अरुणाचल प्रदेश में किए, जो चार गुना से अधिक की बढ़ोतरी है। उन्होंने कहा कि Devolution Fund में 18 गुना बढ़ोतरी और Grant-in-Aid में डेढ़ गुना बढ़ोतरी दिखाती है कि मोदी सरकार अरुणाचल प्रदेश के विकास को एक नारे के रूप में नहीं, बल्कि वास्तविकता के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि यहाँ बजट के आवंटन के माध्यम से ठोस काम हुए हैं।



श्री अमित शाह ने कहा कि अरुणाचल में 13,000 फीट की ऊँचाई पर 825 करोड़ रुपये की लागत से 12 किलोमीटर लंबी दुनिया की सबसे बड़ी बाय-लेन 'सेला टनल' का निर्माण हुआ है। वर्ष 2018 में मोदी जी ने अरुणाचल के पासीघाट/धेमाजी को असम के डिब्रूगढ़ से जोड़ने वाले बोगीबील पुल का उद्घाटन किया। यह देश का सबसे लंबा रेल-सह-सड़क पुल है। अरुणाचल में स्थित ग्लाव झील (Glaw Lake) भारत का 101वाँ रामसर स्थल घोषित हुआ, जो राज्य का पहला रामसर स्थल बना। नामचिक-नामफुक (Namchik Namphuk) में राज्य की पहली अधिकृत वाणिज्यिक कोयला खदान का उद्घाटन हुआ। 44,000 करोड़ रुपये की लागत से 1,500 किलोमीटर लंबे अरुणाचल फ्रंटियर हाईवे को मंजूरी दी गई, जो सभी सीमावर्ती क्षेत्रों को पूर्व से पश्चिम तक जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि 32,000 करोड़ रुपये की लागत से 2,880 मेगावाट क्षमता की दिबांग हाइड्रो पावर परियोजना का शिलान्यास हुआ। 6,600 करोड़ रुपये के नेशनल हाईवे के 8 पैकेज शुरू किए गए और 2,000 किलोमीटर लंबी फ्रंटियर हाईवे तथा मैकमोहन रेखा के साथ एक अन्य सड़क की योजना मंजूर हुई। श्री शाह ने कहा कि वेस्ट कामेंग और तवांग जिले तक पहुँचने वाली 300 किलोमीटर लंबी बालीपारा-चारद्वार-तवांग सड़क पर नेचीफू सुरंग (Nechiphu Tunnel) का भी निर्माण किया गया। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश का वार्षिक रेलवे बजट 2014 में 2,100 करोड़ रुपये था, जिसे 2026-27 में बढ़ा कर 11,486 करोड़ रुपये किया गया। उन्होंने कहा कि अरुणाचल में सुरक्षा के मद्देनजर और पर्यटन को बढ़ावा देने

के साथ यहाँ के व्यापार-उद्योग को प्रोत्साहन देने के लिए 650 करोड़ रुपये की लागत से डोनी पोलो (Donyi Polo) एयरपोर्ट की शुरुआत की गई। होलोंगी में नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे का निर्माण हुआ और तेजू स्थित हवाई अड्डे का विकास तथा संचालन चालू हो गया है। उन्होंने कहा कि कई पावर प्रोजेक्ट अरुणाचल को बहुत कम समय में रेवेन्यू सरप्लस राज्य बनाने वाले हैं। लगभग 23,000 किसानों को पीएम किसान का लाभ मिल रहा है। 2,30,000 घरों में नल से जल पहुँचाया गया है। 1,90,000 आयुष्मान कार्ड परिवारों को 5 लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा देते हैं। 8,32,000 लोगों को प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलो अनाज दिया जाता है और 56,000 घरों में उज्ज्वला गैस सिलेंडर पहुँचाने का काम किया गया है। 12,000 लोगों को घर दिए गए हैं।



केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार नई न्याय संहिताएँ लेकर आई है। अंग्रेजों के बनाए पुराने कानूनों को निरस्त करके, भारतीयों द्वारा चुनी हुई भारतीय संसद में भारत की ये नई न्याय संहिताएँ पारित की गई हैं, जो भारत में शांति और न्याय के सूर्य का उद्गम है। उन्होंने कहा कि इन नई न्याय संहिताओं में हमने तकनीक को भरपूर कानूनी समर्थन दिया है। हमने अपने नागरिक को केंद्र बिंदु बनाकर और उसकी सुरक्षा की चिंता करते हुए इन न्याय संहिताओं की रचना की है। उन्होंने कहा कि इन न्याय संहिताओं के तहत 2027 के बाद जो भी एफआईआर दर्ज होगी, सुप्रीम कोर्ट तक उसका फैसला तीन साल के अंदर आ जाएगा और किसी को न्याय मिलने में देरी नहीं होगी।



श्री अमित शाह ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने देश को नशा मुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने कहा कि हम Golden Triangle के मुहाने पर बसे अरुणाचल प्रदेश को नशे से मुक्त बनाएंगे। साथ ही, अरुणाचल भारत का प्रहरी बनकर सुनिश्चित करे कि राज्य से एक ग्राम भी ड्रग भारत में न घुस पाए। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी अरुणाचल पुलिस को निभानी है। श्री शाह ने कहा कि हम मिल कर अरुणाचल को तो ड्रग-फ्री करेंगे ही, साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगे कि अरुणाचल से एक ग्राम भी ड्रग भारत के किसी हिस्से में नहीं जाए।

सियांग अपर मल्टीपर्पस प्रोजेक्ट (SUMP) के मुद्दे पर सियांग क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि यह एक राष्ट्रीय परियोजना है, जो अरुणाचल के विकास, देश की ऊर्जा सुरक्षा, अरुणाचल के बजट, अरुणाचल की आय और सामरिक हितों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि सरकार क्षेत्र की जनता के साथ सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा करेगी और जनता को पूरी तरह विश्वास में लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संवाद के माध्यम से ही आगे का रास्ता निकाला जाएगा। श्री शाह ने कहा कि सरकार स्थानीय लोगों की संस्कृति का सम्मान करती है और इससे समझौता किए बिना, भारत का सबसे आकर्षक पुनर्वास पैकेज देते हुए और यहाँ की परंपराओं, संस्कृति तथा धर्म को जरा भी नुकसान पहुँचाए बिना सरकार आगे का रास्ता निकालेगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों को इस बारे में राज्य सरकार के साथ चर्चा करनी चाहिए। राज्य सरकार के माध्यम से गृह मंत्रालय से भी चर्चा हो। श्री शाह ने कहा कि अरुणाचल और यहाँ के युवाओं के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण इस परियोजना को सकारात्मक संवाद और परिणामकारी पुनर्वास पैकेज के साथ ही आगे बढ़ाया जाएगा। लोगों को विश्वास में लेकर ही आगे बढ़ा जाएगा।

गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि बीते दिनों कश्मीर के पुलवामा में कश्मीर पुलिस ने लश्कर के अंतिम ज्ञात सक्रिय कश्मीरी आतंकवादी को एक मुठभेड़ में मार गिराया। उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी में अब एक भी स्थानीय आतंकवादी शेष नहीं है। जो भी बचे हैं, वे सभी विदेशी आतंकवादी हैं। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ा पड़ाव है, जो 35 वर्षों के संघर्ष के बाद हमारे सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों ने निरंतर शौर्य, समर्पण और बलिदान के आधार पर प्राप्त किया है। श्री शाह ने कहा कि 90 के दशक में माना जाता था कि कश्मीर को न जाने हम कितने दिन तक संभाल पाएंगे। आतंकवाद चरम सीमा पर था। उस समय हमारे सुरक्षा बलों की वीरता ने कश्मीर को जोड़े रखा और 2019 में जब अनुच्छेद 370 को समाप्त किया गया, तो सारा विपक्ष एकजुट होकर कहता था कि धारा 370 और आतंकवाद का क्या लेना-देना है। उन्होंने कहा कि आज यह कहते हुए गर्व होता है कि अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद कश्मीर के युवाओं में अलगाववाद की भावना समाप्त हुई है, जिसका परिणाम है कि आज कश्मीर घाटी में एक भी कश्मीरी युवा

आतंकवादी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक आतंकवादी के जीवन का अंत नहीं है। यह घाटी में अलगाववाद के विचार के अंत की शुरुआत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिस तरह 2014 से मोदी जी के नेतृत्व में कश्मीर घाटी में विकास की शुरुआत हुई है, आने वाला समय घाटी के लिए बहुत शुभ होगा।

****

RK/PR/PS

(रिलीज़ आईडी: 2339539) आगंतुक पटल : 428
इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English

Share

1922 words | 8 min read